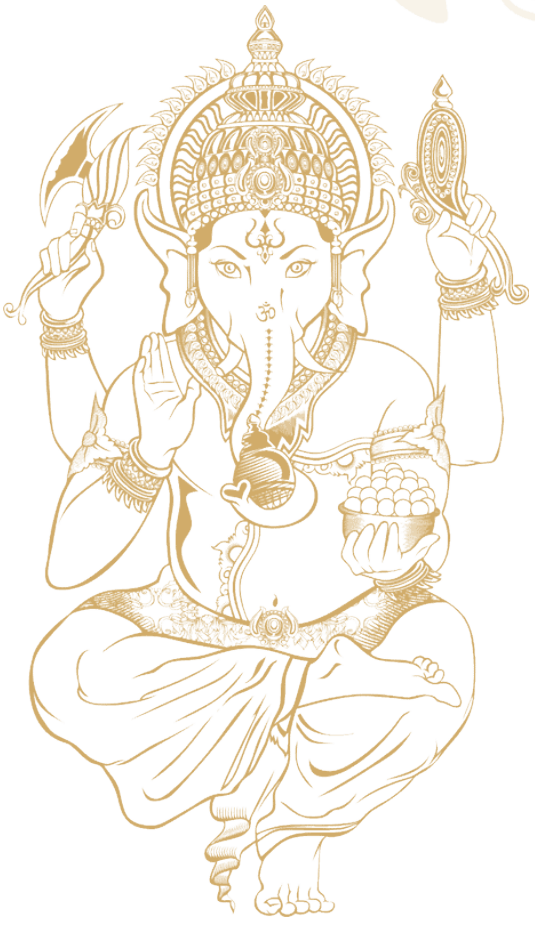

Mr.CHANDAN PATHAK

Ms.DURGA MISHRA

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120411212

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
03/06/1995	जन्म तिथि	10/10/1998
शनिवार	दिन	शनिवार
घंटे 10:00:00	जन्म समय	07:09:00 घंटे
घटी 12:17:13	जन्म समय(घटी)	03:18:15 घटी
India	देश	India
Rohtasgarh	स्थान	Rohtasgarh
24:36:00 उत्तर	अक्षांश	24:36:00 उत्तर
83:59:00 पूर्व	रेखांश	83:59:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:05:56	स्थानिक संस्कार	00:05:56 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:05:06	सूर्योदय	05:49:42
18:39:18	सूर्यास्त	17:32:22
23:47:44	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:14

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 8वर्ष 3मा 11दि	23:44:32	कर्क	लग्न	तुला	09:40:30	चन्द्र 1वर्ष 0मा 19दि
केतु	18:21:47	वृष	सूर्य	कन्या	22:42:53	गुरु
13/09/2020	10:51:18	कर्क	चंद्र	वृष	21:55:37	29/10/2024
14/09/2027	10:10:19	सिंह	मंगल	सिंह	07:43:15	29/10/2040
केतु 09/02/2021	21:27:20	वृष व	बुध	तुला	02:54:36	गुरु 17/12/2026
शुक्र 11/04/2022	16:30:06	वृश्चि व	गुरु व	कुंभ	26:15:23	शनि 30/06/2029
सूर्य 17/08/2022	27:05:46	मेष	शुक्र	कन्या	17:31:20	बुध 06/10/2031
चन्द्र 18/03/2023	00:03:10	मीन	शनि व	मेष	07:24:00	केतु 11/09/2032
मंगल 14/08/2023	11:08:07	तुला व	राहु व	सिंह	06:34:57	शुक्र 13/05/2035
राहु 01/09/2024	11:08:07	मेष व	केतु व	कुंभ	06:34:57	सूर्य 29/02/2036
गुरु 08/08/2025	06:20:48	मक व	हर्ष व	मक	15:00:18	चन्द्र 30/06/2037
शनि 17/09/2026	01:25:02	मक व	नेप व	मक	05:32:52	मंगल 06/06/2038
बुध 14/09/2027	05:03:50	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	12:16:00	राहु 29/10/2040

लग्न-चलित

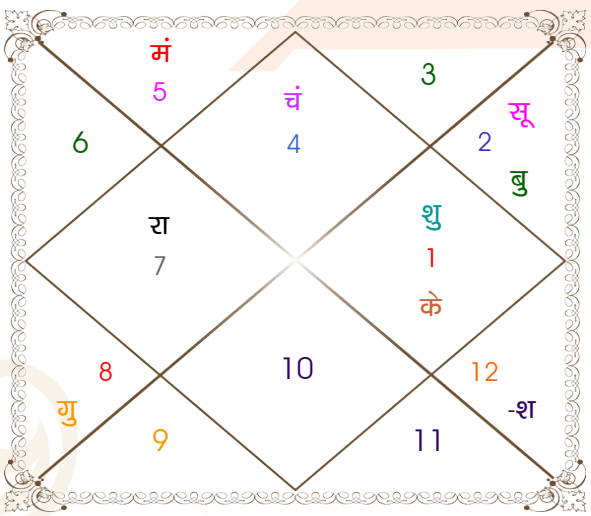

लग्न-चलित

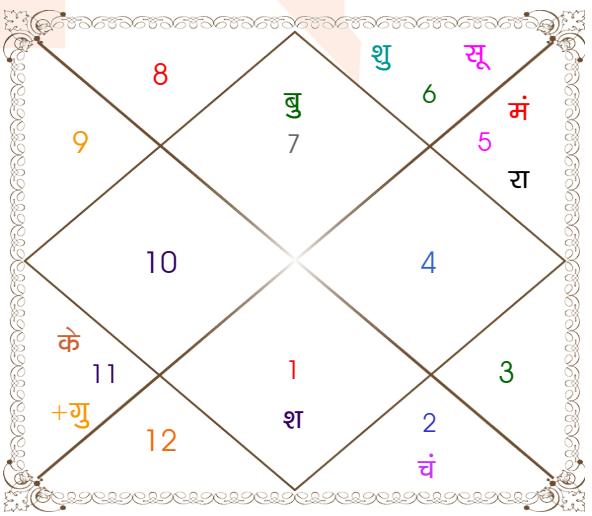

ज्योतिष ग्रह रत्न केंद्र आचार्य शशि कांत मिश्र
लाइन तलाव रांची झारखंड
9835195382
9835195382

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

डतण्ब्भ।छक्।छ च।ज्भ।ज्ञ का वर्ग मेष है तथा डेण्क्न्ळ। डैप्भ्त्। का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्ब्भ।छक्।छ च।ज्भ।ज्ञ और डेण्क्न्ळ। डैप्भ्त्। का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्ब्भ।छक्।छ च।ज्भ।ज्ञ मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

डेण्क्न्ळ। डैप्भ्त्। मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

डतण्ब्भ।छक्।छ च।ज्भ।ज्ञ तथा डेण्क्न्ळ। डैप्भ्त्। में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।